Political Science Dept.
BA-I (Hons), Paper-I

Dr. Husna Ara
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. College, Tajpur
Samastipur

स्वतंत्रता के पक्ष

स्वतंत्रता के दो पक्ष होते हैं –

(1) नकारात्मक स्वतंत्रता
(2) सकारात्मक स्वतंत्रता

(1) नकारात्मक स्वतंत्रता –

नकारात्मक स्वतंत्रता का तात्पर्य दूसरों के बंधन व हस्तक्षेप से स्वतंत्रता है। प्रत्येक व्यक्ति अपने हित को अच्छी तरह स्वयं जानता है। और व्यक्ति अपने विवेक के अनुसार चयन करने की क्षमता रखता है। इसके समर्थक विद्वानों का मानना है कि राज्य को सीमित भूमिका का निर्वाह करना चाहिए। हायक, फ्रीडमैन, नॉजिक ने नकारात्मक स्वतंत्रता का समर्थन किया है।

(2) सकारात्मक स्वतंत्रता –

सकारात्मक स्वतंत्रता का आशय है व्यक्ति को वे अवसर उपलब्ध कराना और उन संसाधनों को प्रदान करना जिससे वह चयन करने में समर्थ हो सके। ग्रीन व लास्की सकारात्मक स्वतंत्रता के समर्थक हैं। ग्रीन स्वतंत्रता के सकारात्मक स्वरूप को स्पष्ट करते हुए लिखते हैं कि "स्वतंत्रता ऐसे कार्य करने और उपभोग करने की शक्ति का नाम है, जो करने योग्य या उपभोग के योग्य है।